Unit 6- Local geography : Its meaning ,significance and usefulness.

स्थानीय भूगोल - स्थानीय भूगोल को समझने के लिए संसार का भूगोल समझना आवश्यक है| अतः हम इसी के माध्यम से अपने क्षेत्र विशेष की विशेषता को समझकर उसकी उपयोगिता को समझ सकेंगे | अतः इसे स्पष्ट करने के लिए जेम्स फेयर गँव ने कहा है कि "स्थानीय भूगोल अथवा गृह प्रदेश का अध्ययन भूगोल की अति आवश्यक प्रारंभिक आधारशिला है इसी स्थानीय भूगोल की कसौटी के आधार पर छात्र संसार के अन्य स्थानों का भूगोल समझ सकते हैं। "

स्थानीय भूगोल से हमारा तात्पर्य किसी विशेष स्थान से या उनके पड़ोस में पाई जाने वाली ऐसी वस्तुओं के ज्ञान से है | जिसके द्वारा छात्रों को भौगोलिक वातावरण का बोध कराया जा सकता है या हम कह सकते हैं | कि भौगोलिक वातावरण ही एक प्रकार से उसके स्थानीय भूगोल का अर्थ देता है स्थानीय प्रदेश का अध्ययन वास्तव में वह व्यवहारिक साधन प्रदान करता है जिसकी सहायता से शेष संसार का अनुभव किया जा सकता है| तथा उसे नापा जा सकता है इससे स्थानीय भूगोल के मापदंड द्वारा ही बालक अन्य स्थानों की भौगोलिक परिस्थितियों की कल्पना कर सकते हैं।

स्थानीय भूगोल का महत्व- स्थानीय भूगोल के अध्ययन में हमने निम्न शिक्षा सूत्रों का अनुसरण करते हैं| जिसमें ज्ञात से अज्ञात की ओर ,विशेष से सामान की ओर ,तथा सरल से जटिल की ओर अग्रसर होकर बालक के निरीक्षणातमकअनुभव के आधार पर हम भूगोल का अध्ययन करते हैं।

जैसा कि हम सब जानते हैं कि भूगोल का आरंभ घर से ही होता है संसार के विभिन्न भागों से के आकार और उसकी लंबाई चौड़ाई के मापने के लिए एक मापन की आवश्यकता होती है जिसकी सहायता से उसका मापन किया जा सकता है | गृह प्रदेश व साधन है जिसके द्वारा प्रमाणित माफ माफ किया जा सके अतः इसी के आधार पर उसे स्थानों का मानचित्र भी बनाया जा सकता है सामने प्रदेश प्रादेशिक भूगोल में छात्रों को मानचित्र निर्माण एवं मापन की शिक्षा दी जाती है जिससे वे आगामी जीवन में अधिक सरलता पूर्वक मानचित्र बना सके इसके अलावा निम्नलिखित महत्व है-

1. भूगोल वास्तविकता का विषय है- थाने भूगोल छात्रों को निरीक्षण शक्ति की सफलता प्रदान करता है इन्हीं लक्षणों का एक मुख्य कारण छात्रों में कारण ज्ञात करने की शक्ति उत्पन्न करता है।
2. ताने भूगोल प्राकृतिक भूगोल को रूसी कर बनाता है- थाने भूगोल ना केवल मानचित्र अध्ययन धरातल और जलवायु के अध्ययन में सहायता पहुंचाता है वरन प्रकृति में मौजूद नदी पर्वत उनके कार्य कटाव इत्यादि के प्रति रुचि उत्पन्न कर आता है।
3. थाने भूगोल किताबी ज्ञान और वास्तविकता को यथार्थ करता है- यश थाने भूगोल को सामान्य भूगोल से परिचित कराता है तथा दोनों के बीच संबंध बताता है।
4. बालको का ध्यान परिचित वातावरण पर एकाग्र करना सिखाता है उसका विस्तृत क्षेत्र या गृह भूमि होने को घेरे हुए भाग पर एकत्रित करना सिखाता है ।

स्थानीय भूगोल की उपयोगिता-

1. स्थानीय भूगोल शिक्षण में छात्रों की रुचि उत्पन्न करके उन्हें संपूर्ण संसार को एक सूत्र में नाप लेने पर विचार से अवगत कराता है।
2. स्थानीय भूगोल के द्वारा यह समीप के स्थानों की भूमि उसके बनावट धरातल की बनावट जलवायु ताप आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कराता है।
3. बालक अपने आसपास के संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है तथा उसकी उपयोगिता के बारे में

जानता है।

4. बालक स्थानीर भूगोल के अध्ययन के दौरान अपने आसपास के वातावरण तथा उस में होने वाले परिवर्तनों को देखता है तथा उसके कारणों एवं निवारण ओं को समझने में सक्षम होता है।

5. बालक अपने स्थानीय वातावरण को अन्य स्थान के वातावरण से तुलना करने में समर्थ होता है जैसे खान-पान वेशभूषा संस्कृति इत्यादि।